सतपुड़ा एकीकृत ग्रामीण विकास संस्था (सिरडी)

वार्षिक रिव्यु 2024 – 2025

कार्यकारिणी एवं साधारण सभा बैठक

दिनांक 01.11.2025

श्रीमती सविता वाजपेई आपको पुष्पांजली अर्पित करते हुये आपकी मधुर स्मृतियों के साथ

- बदलाब से मत डरो क्योंकि बदलाव ही आगे बढ़ने का पहला कदम हैं.
- यदि सब कुछ सही नहीं होता तो आप कभी नहीं सीख पाते और आप आगे नहीं बढ़ पाते.
- महिलाओं के रूप में हम जो कुछ भी हासिल कर सकते हैं. उसकी कोई सीमा नहीं हैं.

वार्षिक बैठक में सभी सदस्यों का हार्दिक स्वागत हैं

आप सब के सहयोग के कारण ही संस्था की गतिविधियाँ बिना रूकावट के चल रही हैं.

2015 से 2020 तक व 2021 से 2025 तक 2 पंचवर्षीय योजना में हमने महिला सशक्तिकरण के विभिन्न अयामों को दृष्टिगत रखते हुये नीतियाँ बनाना व उन नीतियों के आधार पर भविष्य की रणनीति तय करके ध्येय समूह बनाये व काम किया. व ऐसा वातावरण व व्यवस्था बनाने का प्रयास किया जहाँ महिलाओं को सुरक्षा सम्मान और समान अवसर मिले व समान विकास में पूरी तरह भाग ले सकें.

- संस्था स्थापना के समय से ही अर्थात प्रारंभ से उपरोक्त कार्यो पर केंद्रित रही है पर पिछले 10 वर्षों में हम बहुत स्पष्टता से महिला केंद्रित कार्यों को संपादित कर रहे हैं.
- ये कार्यक्रम सुव्यवस्थित रूप से संपादित हो सकें उसके लिए पिछले 4 वर्षों से “सुधा संगिनी” परियोजना जो संस्था के वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य श्री योगेश येडंले जी के सहयोग से संचालित की जा रही हैं.

"महिला किसान अभियान, बैतूल"
• महिला किसान रूचि समूह का गठन
• पारम्परिक एवं जैविक खेती प्रशिक्षण
• बीज बैंक, उपकरण बैंक, ज्ञान बैंक
"यदि कृषि कार्यों में 70% भागीदारी है तो क्यों न हमें भी तकनीकि जानकारी"
"तकनीकि रूप में सक्षम महिला किसान एक उद्यमी के रूप में तैयार"
"योजना आयोग" नई दिल्ली
के WEP कार्यक्रम के तहत ATR कार्यक्रम की शुरू आत
17-18 दिसम्बर 2024
स्थान - सिरडी परिसर टेमनी

कुछ अन्य संस्थाये व संगठन उनके सहयोग से संस्था को तकनीकि सहयोग या सेवा के रूप में हमें सहयोग करते हैं

जैविक पोषण वाटिका, सेहत बाग़ कार्यक्रम चलायें जा रहे हैं.

- कुछ छोटी मदद व कार्य संस्था कई अन्य लोगों के सहयोग व उनके द्वारा प्रदत्त सेवाओं द्वारा भी करती हैं

- हमने पारंपरिक व जैविक खेती में जो अभियान चलाया है व उससे जो महिलाओं ने माहिरता हासिल की है व उसमें उत्पादन बेचकर व तकनीकि सेवायें देकर संस्था को आर्थिक रूप से सुदृढ़ करने में भी मदद मिल रही हैं.

- संस्था के परिसरों में विभिन्न गतिविधियां समय-समय पर आयोजित करके हम संस्था को मजबूत करने का प्रयास कर रहे हैं जिससे परिसर को व्यवस्थित करने में मदद मिलती है.

अभियान
नीभिया मुक्त पंचायत
Time: 09-13-2024 09:45
Note: savita
Powered by NoteCam

Latitude: 21.521142
Longitude: 77.783852
Elevation: 850.57±27.6 m
Accuracy: 4.06 m
Time: 25-08-2025 12:13
Note: Gangotree Rathor
Powered by NoteCam

इस परियोजना में मुख्य जिन पहलुओं को ध्येय बनाया हैं वें

- महिलाओं के लिये सुरक्षा व सम्मान
- समान अवसर
- महिला सशक्तिकरण
- राजनैतिक व सामाजिक समान भागीदारी
- जागरूकता महिला अधिकार व कानून
- तकनीकि कोशल व क्षमता बढ़ाना व उनसे महिलाओं को जोड़ना
- डिजिटल साक्षरता बढ़ाना
- हर स्तर पर भागीदारी बढ़ाना
- व्यक्तिगत स्वच्छता स्वास्थ्य व पोषण सुधार की गतिविधियों पर फोकस हैं.

इसके अलावा

- ग्राम स्तरीय संगठनों में महिलाओं/बालिकाओं की भागीदारी बढ़ाना सुनिश्चित करना
- महिला उधमी तैयार करना व किसान उत्पादन संगठन बनाना जिससे महिलाओं में आजीविका के अवसर बढ़ाये जा सकें.
- महिला में तकनीकि व डिजिटल कोशल बढ़ाना जिससे वें कुशलता से अपने कार्य सम्पादित कर सकें.

IRA

IRA

पारम्परिक
बीज
बैंक
4

मटर
लाल मुली

GPS Map Camera
तेमनी, मध्य प्रदेश, भारत
Gq9m+jrf, तेमनी, मध्य प्रदेश 460220, भारत
Lat 21.520863° Long 77.784443°
12/06/2025 02:08 PM GMT +05:30
Google

ग्राम स्तरीय/पंचायत स्तरीय संगठनों का गठन करवाना, उनकी क्षमता विकास व ग्राम विकास कार्यों से उन्हें जोड़ना, ये संगठन निम्नानुसार है -

- बाल संसद का गठन क्षमता विकास व मासिक गतिविधि
- तरुणी क्लब गठन क्षमता विकास व नियमित गतिविधि
- युवा संगठन गठन क्षमता विकास व नियमित गतिविधि
- पंचायत/ग्राम स्तर के संगठनों में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना व उनकी क्षमता विकास करना.

Latitude: 21.624332
Longitude: 77.964348
Altitude: 622.0±29.0 m
Accuracy: 85.73 m
Time: 10-07-2025 15:45
Note: o
k
Powered by NoteCam

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस- 31 मई 2025

महिला सशक्तिकरण संस्था दवारा तय 14 ध्येय समूहों के साथ सीधे उनकी क्षमता बढ़ाने हेतु कार्य करना

सतपुड़ा एकीकृत ग्रामीण विकास संस्था (सिरडी)

स्थायी विकास की और महिला सशक्तिकरण फोकस कार्य बिंदु

14 ध्येय समूह

1. पंचायती राज में चुने हुये महिला जनप्रतिनिधियों का सशक्तिकरण।
2. ग्राम सभा में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना।
3. नेतृत्व क्षमता बढ़ा कर महिलाओं को भविष्य की नेता के रूप में तैयार करना।
4. एकल महिलाओं को संगठित कर उन्हें सामाजिक, आर्थिक व कानूनी रूप से मदद करना।
5. जल एवं स्वच्छता उप समिति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना उनकी भूमिका सुनिश्चित करना।
6. मनरेगा परियोजना को महिलाओं के लिये सुगम बनाना।
7. आजीविका मिशन में महिला सहभाग और सक्रियता बढ़ाना।
8. अन्य स्वयं सहायता समूह एवं मध्यान्ह भोजन व पोषण आहार।
9. स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छता कार्यक्रम व महिलायें।
10. किशोरी बालिकायें, स्वास्थ्य, पोषण स्वच्छता व शैक्षणिक कार्यक्रम।
11. युवा महिला संगठन व ग्राम विकास में उनकी भूमिका।
12. किशोरी/युवा महिलायें व कौशल विकास व अजीविका कार्यक्रम।
13. पशु पालक एक महिला किसान के रूप में।
14. ग्राम/ग्राम पंचायत स्तरीय महिला प्रथम पंक्ति कार्यकर्ताओं को एक मंच पर लाना।

Sirdi | IRA Institute of Regional Analysis | Mission Samriddhi Social Impact Enterprise

पंचायती राज संस्थाओं (PRI) के साथ सतत् विकास लक्ष्यों (SDG) का स्थायीकरण पंचायत एवं ग्राम स्तर पर

IRA Institute of Regional Analysis | Sirdi

थीम 1 : गरीबी मुक्त और ग्राम में आजीविका के बढ़े हुये साधन
विजन : एक गरीबी मुक्त पंचायत (ग्राम), जहाँ सभी के लिये बढ़ी हुई आजीविका के साथ विकास और समृद्धि हो। एक ग्राम, जो सुनिश्चित करता हैं कि सामाजिक सुरक्षा हो ताकि कोई भी गरीबी में वापस न आ जाये, ऐसा ग्राम।

थीम 2 : स्वस्थ ग्राम
विजन : सभी उम्र के लोगों के लिए स्वस्थ जीवन और कल्याण सुनिश्चित करें। टिकाऊ और एकीकृत कृषि को बढ़ावा देने, बच्चे, किशोरों, महिलाओं और वृद्ध व्यक्तियों के बीच पोषण की स्थिति में सुधार और सुरक्षित और गुणवत्तापूर्व स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच के माध्यम से समुदाय के सभी वर्गों से सभी प्रकार की भूख और कुपोषण का उन्मूलन हो, ऐसा ग्राम।

थीम 3 : बाल हितेषी पंचायत वाला ग्राम
विजन : यह सुनिश्चित करने के लिए कि सभी बच्चों को सुरक्षित और संरक्षित वातावरण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच प्राप्त हो, ऐसा ग्राम।

थीम 4 : पर्याप्त पानी वाले गाँव
विजन : गुणवत्तापूर्ण जल आपूर्ति, अच्छे जल प्रबंधन और कृषि और सभी जरूरतों के लिए पर्याप्त पानी की उपलब्धता, जल पुनर्चक्रण और संचयन के लक्षित मानक के साथ सभी के लिए कार्यात्मक नल कलेक्शन वाला, ऐसा ग्राम।

थीम 5 : स्वच्छ और हरा भरा गाँव
विजन : हमारे बच्चों के भविष्य के लिए एक ग्राम का निर्माण करना, जो प्रकृति की प्रचुरता से हरा-भरा हो, अक्षय ऊर्जा का उपयोग कर, स्वच्छ, पर्यावरण की रक्षा और जलवायु अनुकूल, ऐसा ग्राम।

थीम 6 : आत्मनिर्भर बुनियादी संरचना वाली ग्राम पंचायत (गाँव)
विजन : आत्मनिर्भर बुनियादी ढांचे को प्राप्त करना और सभी के लिए पर्याप्त, सुरक्षित और किफायती आवास और बुनियादी सेवाओं तक पहुंच सुनिश्चित किया हुआ, ऐसा ग्राम है।

थीम 7 : सामाजिक रूप से सुरक्षित गाँव
विजन : गाँव में हर व्यक्ति के देखभाल की जानी चाहिए और सभी पात्र सामाजिक सुरक्षा प्रणालियों से आच्छादित होने चाहिए, ऐसा ग्राम है।

थीम 8 : सुशासित ग्राम पंचायत (गाँव)
विजन : सुशासन के माध्यम से ग्राम पंचायत के सभी निवासियों को विभिन्न योजनाओं और उत्तरदायी सेवा वितरण के तहत विकास का लाभ सुनिश्चित करना, ऐसा ग्राम है।

थीम 9 : गाँवों में लिंग भेद मुक्त विकास
विजन : लैंगिक समानता हासिक करना, समान अवसर प्रदान करना, सुरक्षित वातावरण में महिलाओं और लड़कियों को सशक्त बनाना, ऐसा ग्राम है।

वर्तमान में “सुधा संगिनी” परियोजना सिरडी संस्था द्वारा निम्न अनुसार पंचायतों व गांवों में कार्य किया जा रहा है

क्र.	राज्य	विकास खण्ड	ग्राम पंचायत	ग्राम	कुल H.H	कुल जनसंख्या
1	मध्यप्रदेश	आठनेर	22	51	10263	47536
		भैसदेही,	14	37	2520	19223
2	महाराष्ट्र	चांदूरबाज़ार	24	33	11569	45182
कुल	2	**3**	**58**	**121**	**24,352**	**111,941**

महिला किसान रूचि समूह (FIG) वर्तमान में हम प्रमुख रूप से ग्राम पंचायत में सीधे वार्ड स्तर पर कार्य कर रहे हैं जिसमें हर वार्ड में एक “महिला किसान रुचि” समूह है इस समय “सुधा संगिनी” कार्यक्रम से 3,840 महिलाये सीधे जुड़ी है जो पारंपरिक एवं जैविक खेती, जैविक पोषण वाटिका व जैविक सेहत भाग पर काम कर रही है.

संस्था ने इस वर्ष तीनों विकास खण्डों में निम्न निम्नानुसार एकल महिलाओं को सहयोग किया

क्र.	राज्य	जिला	विकास खण्ड	कुल एकल महिलायें
1	मध्यप्रदेश	बैतूल	आठनेर	636
			भैसदेही,	180
2	महाराष्ट्र	अमरावती	चांदूरबाज़ार, अचलपुर	1000
कुल	2	2	**3**	**1,816**

Latitude: 21.675397
Longitude: 77.94686
Elevation: 646.86±22.4 m
Accuracy: 21.12 m

प्राकृतिक खेती की शपथ
18-07-2024 15:14
Powered by NoteC

FIG के साथ गतिविधि

Powered by NoteCam

Latitude: 21.66637
Longitude: 77.969024
Elevation: 705.9±98 m
Accuracy: 214.7 m

"सुधा संगिनी"

Latitude: 21.618313
Longitude: 77.977164
Altitude: 584.4±50 m
Accuracy: 5.5 m
Time: 03-20-2025 14:16
Note: savita
Powered by Note

"सुधा संगिनी" परियोजना की 2024-2025 में नई गतिविधियों

- इसमें प्रमुख रूप से मीरो लैब मुंबई से जुड़कर महिलाओं को तकनीकि रूप से सक्षम करना जिसमें 5 तकनीकों को प्रमुख रूप से जोड़ना हैं क्योंकि अब हर कदम पर विज्ञान महिलाओं के साथ है।
- मीरो लैब का उद्देश्य परिस्थिति पर निर्भरता को कम करके तकनीक की भूमिका को बढ़ाना है. जो किसानों की कृषि ज्ञान को अधिक भरोसे मंद बनाता है।
- मल्टी स्पेक्ट्रल इमेजिंग (एप द्वारा) इससे रोगों का शीघ्र पता लगता है।
- मृदा नमी सेंसर द्वारा 30% से 50% तक पानी बचानें में मदद
- Mee Teg के माध्यम से स्वयं की कहानी अपने ग्राहकों तक पहुंचाना ताकि अधिक मुनाफा मिल सके।
- लिंक एप से 15 दिन का सटीक मौसम पूर्वानुमान से खेती की प्रक्रियाओ को बेहतर करना।
- मृदा परीक्षण केंद्र द्वारा किसानों के खेतों की मिट्टी परीक्षण करना।
- मीरो लेब एप से मोबाइल द्वारा 618 महिला किसान (FIG) को जोड़ा गया वह उनके खेत की जियो मैपिंग की गई।
- 7 महिला किसानों के यहां सॉइल सेंसर मीटर लगाए गए जिनमें काफी सकारात्मक परिणाम देखने को मिले।
- टेमनी परिसर में महिलाओं को प्रशिक्षित कर स्वाइल टेस्टिंग लैब की स्थापना की गई जिससे स्थानीय स्तर पर कम समय में मिट्टी की जांच की जा रही है।

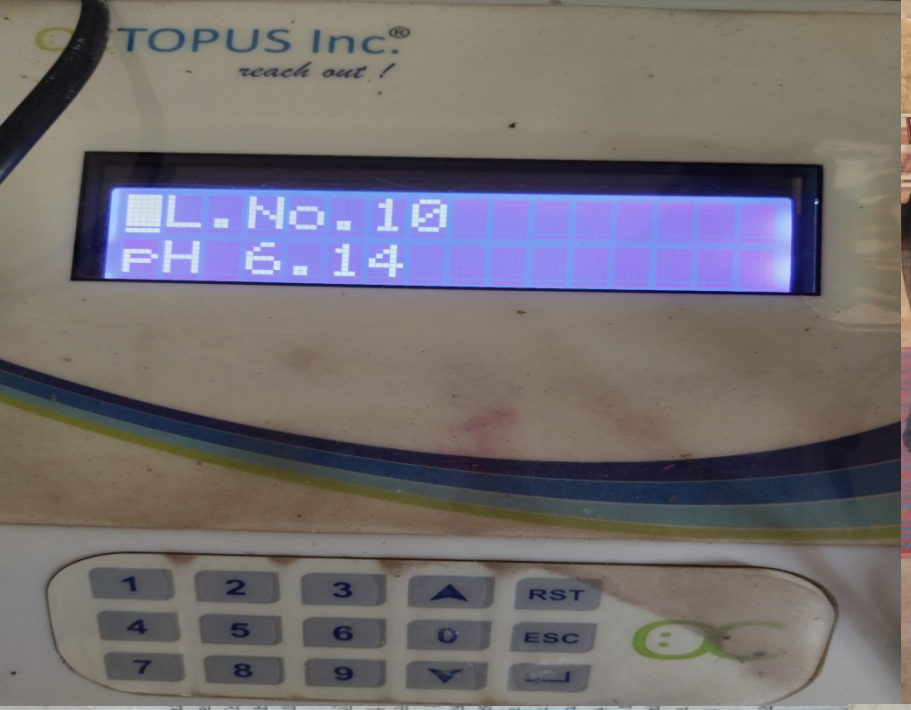
TOPUS Inc.®
reach out !
L.No.10
pH 6.14
1 2 3 RST
4 5 6 ESC
7 8 9

meero
link

8:32
meerolink
आपका स्वागत है सुश्री अंजीरा बारपेटे
FARM 1 - BETUL - 4 ACRE का मौसम देखें
दिन
टेबल
चार्ट
डिवाइस रखरखाव के अधीन !

वर्तमान में 3840 महिलाएं “महिला किसान रुचि” समूह से जुड़ी है. व उन्होंने यह प्रण लिया है कि वें अपनी कुछ खेती के हिस्से में से 20 डिसमिल से 1 एकड़ में मिश्रित व जैविक खेती करेंगी उसके पीछे मुख्य उद्देश्य है।

- जहर मुक्त खेती करना।
- खेती के लागत खर्चों को कम करते हुए खेती के खर्चों को 0 करना।
- महिलाओं को महिला किसान के रूप में पहचान दिलवाना।

Jul 14, 2025 12:24:13 P
Unnamed Roa
Thesl
Narmadapuram Divisio
Madhya Prades

जैविक खेती हम बायोडायनेमिक कृषि पद्धति से कर रहे हैं। जिसमें हम तीन तकनीक पर गाय व प्राकृतिक आधारित खेती कर रहे हैं।

- हर FIG के यहां CPP का निर्माण व उसके उपयोग कहां व कैसे किया जाएगा बताना।
- कंपोस्ट बेड बनाना (गोबर व सूखे कचरे व हरे घास से)
- तरल खाद बनवाना व उसके फायदे उपयोग की जानकारी देना।

एक किसान परिवार में मौसम व माह के अनुसार किये जाने वाले कार्य
पौष
(जनवरी)
माघ
(फरवरी)
फागुन
(मार्च)
चैत्र
(अप्रैल)
वैशाख
(मई)
जैठ
(जून)
अषाढ़
(जुलाई)
श्रवण
(अगस्त)
भादो
(सितंबर)
क्वार
(अक्टूबर)
कार्तिक
(नवंबर)
अगहन
(दिसम्बर)
सतपुडा एकीकृत ग्रामीण विकास संस्था(सिरड़ी) जिला बैतूल म.प्र.

ग्राम खापा सोयाबीन मै तरल खाद का छिड़काव
शिवरती दीदी के यहा

Latitude: 21.623962
Longitude: 77.965169
Elevation: 667.18±27.0 m
Accuracy: 39.0 m
Time: 16-06-2025 15:31
Note: ok
Powered by NoteCam

GPS Map Camera
Yenkheda, Madhya Pradesh, India
Bhainsdehi - Multai Rd, Yenkheda, Madhya Pradesh 460110, India
Lat 21.630784° Long 77.981538°
17/06/2025 01:54 PM GMT +05:30
Google

इसके अलावा

- महिला किसानों की आधारभूत जानकारी गूगल फॉर्म पर एकत्रित करना।
- फसलों के आधार पर पैकेज ऑफ़ प्रैक्टिस तैयार करना व उन्हें उसके आधार पर मार्गदर्शन देना।
- नियमित दस्तावेजीकारण किसान डायरी, कार्ययोजना, चार्ट, जमीन हेल्थ कार्ड, पंचायत समन्वयकों की दस्तावेजीकरण फोटो रजिस्टर द्वारा.

Story of Change

ग्राम बोथी श्रीमती मुन्नी बाई कवड़े एक छोटे से गांव की साधारण सी अनपढ़ से एक ग्रहणी है लेकिन उसकी मेहनत लगन परिश्रम बहुत ज्यादा है और वह अपने पूरे परिवार के साथ में जैविक खेती के प्रति पिछले 3 साल से बहुत ही रुचि के साथ में जैविक खेती को अपनी लगन से सफल बना रही है और यह एक बड़ी ही उद्यमी किस महिला है और इसके धीरे-धीरे 1 साल से तीन एकड़ तक पूरी जैविक खेती करना शुरू कर दिया है पहले यह पारंपरिक खेती करती थी तो अधिक लागत लगती थी और रासायनिक खाद और कीटनाशकों की के कारण मिट्टी की उर्वरता घट रही थी और उन्हें आमदनी कम होने लगी थी एक किसान जागरूकता कार्यक्रम शिरडी संस्था के माध्यम से उन्हें जागरूक किया गया और जैविक खेती करने के लिए प्रेरित किया गया उन्होंने जैविक खेती करना सीख गया और उसे अपनाना शुरू किया और ग्राम के गांव के गांव लोगों को भी बताने लगी की जैविक खाद तरल खाद के बारे में और उत्पादन के बारे में लागत कम के बारे में सभी को बताने लगे और फिर उसने मायूसचर सेंसर लगाने के बारे में भी बताया गया और वह सेंसर लगाने के लिए भी तैयार हो गई है और उसने अपने खेत में मायुस्चर सेंसर मशीन लगाई है और मिट्टी की भी जांच करवा ली गई है और यह महिला बहुत सी उत्साही और उद्यमी है वह सभी संस्था के सदस्यों को धन्यवाद देता है और धन्यवाद प्रार्थी श्रीमती मुन्नी बाई कवड़े ग्राम पंचायत बोथी ग्राम बोथी ब्लाक आठनेर जिला बैतूल (MP)

ORGANIC FARMING - AN EFFORT

संगीता लिखितकर, ग्राम जामापाटी, बरखेड पंचायत महिला किसान रूचि समूह की महिला हैं इनके यहाँ CPP कुण्ड व कम्पोस्ट बेड साथ ही तरल खाद बनवाया ये तीनों तरह के खाद पकने के बाद इस महिला ने अलग-अलग फसलों में डाला उन्हें जैविक खाद का फर्क नजर आया रासायनिक खाद का उपयोग करना धीरे-धीरे बंद ही कर दिया.

1. अब गोबर खाद कम्पोस्ट बेड का उपयोग करना शुरू किया और अपने खेत की मिट्टी की जांच करवायी,
2. उन्होंने 2 से 3 अलग-अलग फसलें उगाईं और सब्जियाँ भी लगायी।
3. जैविक खेती की एक फसल लेने के बाद संगीता को खर्च कम हुआ व आमदनी में काफी वृद्धि हुई।
4. वे बताती हैं कि रासायनिक खेती में हर साल 40,000 हजार 45000 हजार तक खर्च होता था,
5. लेकिन अब जैविक खेती करने के बाद यह लागत घटकर मात्र 10,000 से 12,000 हजार रुपये रह गई।
6. आज ये महिला उनके पति और बेटे के सहयोग से जैविक खेती करना शुरू की,
7. जैविक फसल से सालाना एक लाख रुपये के आस-पास आमदनी हो रही हैं।
8. अब 5 एकड़ भूमि में जैविक खेती कर रही हैं।

जैविक खाद बनाने से जैविक खेती करने तक का सफर की जैविक खेती करने में मेहनत जरुर लगती हैं लेकिन फायदा भी बहुत होता हैं इसका फर्क समझी आज यह बहुत खुश हैं कि इतनी

सफलता की कहानी

नाम : राधिका बंधे, ग्राम रजोला, उम्र 26, शिक्षा -10वीं WFIG महिला है जो कि 1 एकड़ जमीन में जैविक खेती करती हैं और उनके घर पोषण वाटिका सेहत बाग लगाए गए हैं संस्था द्वारा दिये गये बीज लगाये गये हैं, जिसमें करेला, कद्दू, लौकी, गिलकी, बल्लर, लसकरी, भाजीपाला, लगाया है और सेहत बाग में गुड़हल एलोवेरा, तुलसी, सीताप लेमनग्रास, गिलोय लगाये गए हैं दीदी जी उनके घर कुछ औषधि पौधे पहले से लगे हुए थे और कुछ संस्था द्वारा बताएं अनुसार पौधे लगवाये गये हैं

1. इनमें इन्हें सभी की जानकारी नहीं थी कौन सा औषधीय पौधा किस बीमारी में किस प्रकार उपयोग किया जाता है
2. इन्होंने गिलोय के बहुत सारे पौधे उखाड़ के फेंक दिए और हमने पूछा कि इनको क्यों उखाड़ कर फेंक रहे हैं तो उन्होंने कहा कि इसका क्या करेंगे
3. फिर उन्हें बताया गया कि जो हमारे आसपास बहुत सारे औषधीय पौधे हैं उनके उपयोग भी बहुत सारे हैं जो हम नहीं जानते हैं
4. लेकिन संस्था द्वारा आयुष चौपाल के अंतर्गत ऑनलाइन मीटिंग में हमें बहुत सारे पौधों के उपयोग बताए जाते हैं तो हमने उनको गिलोय, पुनर्नवा, के गुणों और उपयोग के बारे में बताया,
5. जो बाकी पौधे हैं उनके भी अलग-अलग बीमारियों में उपयोग के बारे में बताया तो उन्होंने अपनी बागुड़ के किनारे गिलोय (गुडबेल),मेहंदी, आगरु के पौधे लगाए हैं
6. अलग-अलग बीमारियों में औषधीय पौधों का उपयोग भी करते हैं और कहते हैं कि हमें इतने सारे उपयोग पता नहीं थे संस्था द्वारा बहुत अच्छी जानकारी मिलती है
7. जिससे हमारा समय और पैसा दोनों बच सकता है और अब हम आगे से हम खुद भी उपयोग करेंगे और दूसरों को भी बताएंगे।
8. उनके पति ज्यादातर काम से बाहर रहते है, और गांव में डॉक्टर नही है शहर जाकर ईलाज करवाना पड़ता है तो परेशानी होती हैं उनके 2 छोटे बच्चे है अब वे बच्चों को सर्दी खांसी, बुखार, दस्त में इन पौधों की दवाई बनाकर देती हैं और उनकी सास के पैरों में हमेशा जलन होती रहती थी उन्होंने मेंहदी के पत्तो को पीसकर तलवे पर लगाने से आराम मिला और डॉक्टर के पास जाने में जो समय और पैसे की बचत होती है।

“सुधा संगिनी” व “मीरो लेब” के सहयोग से हमें “नीति आयोग” उनके द्वारा शुरू की गई एक पहल उनके महिला उद्यमिता प्लेटफार्म कार्यक्रम (WEP) के तहत अवार्ड से रिवॉर्ड (ATR) के लिए हमारे यहां महिला किसान उद्यमी के रूप में तकनीकि रूप से सक्षम हुई है उसके लिए 500 WFIG का आधारभूत व परियोजना समाप्ति पर 6 माह के एक पायलेट प्रोजेक्ट अध्ययन किया गया जिसमें हमारे प्रयासों की काफी प्रशंसा की गई व दिल्ली में हमारी पहल से सात महिला किसानों को पुरस्कृत किया गया।

महिला उद्यमिता मंच (नीति आयोग नई दिल्ली) अवॉर्ड टू रिवॉर्ड कार्यक्रम तकनीकि सहयोग meero lab मुंबई द्वारा “सुधा संगिनी” परियोजना सतपुड़ा एक्कीकृत ग्रामीण विकास संस्था द्वारा पुरस्कृत महिला किसान

1 श्रीमति ललिता सरियाम को प्रथम पुरस्कार रु.11,000

2 श्रीमती रेवा सिरसाम दूसरा पुरस्कार रु.7,000

3 श्रीमती देवकी उईके रु. 5,000

4 श्रीमती कौशल्या डडोरे रु. 3,000

5.श्रीमती अनीता लहरपुरे रु. 3,000

6 श्रीमती आशा धोटे रु. 3,000

7.श्रीमती कलावती उईके पंचायत समन्वयक इन्हें फॉर्म ब्लॉक ठीक से और ज्यादा फॉर्म ब्लॉक और किसानों को जोड़ने के लिए रु. 2,000 रु की राशि से पुरस्कृत किया गया।

Agri Award To Reward Program
WINNERS
PROMOTING TECHNOLOGY-BASED AGRICULTURE AMONG WOMEN FARMERS
"सुधा संगिनी" परियोजना
"महिला किसान रूचि समूह"
एवं एक उधमी रूप में उन्हे स्थापित करना
WEP
ATR कार्यक्रम
25.03.2025
नीति आयो
दिल्ली के मार्गदर्शन में
सतपुडा एकी
meero LABS
CERTIFICATE
मंच (नीति आयोग नई दिल्ली)
से रिवार्ड कार्यक्रम
"मीरो लेब मुम्बई"
सतपुडा एकीकृत ग्रामीण विकास संस्था (सिरडी)
ग्राम- टेमनी, विकास खण्ड - आठनेर, जिला बैतूल, मध्यप्रदेश
पुरस्कृत महिला किसानः-श्रीमती अनिता लहरपुरे

अध्ययन करने वाली संस्था द्वारा नीति आयोग में जो रिपोर्ट व प्रस्तुत की गई है व उसमें जो अनुशंसा की गई है। उनके आधार पर MSC (microwave consulting) द्वारा जो अनुशंसा की है उसपर नीति आयोग द्वारा हमारे कार्यक्रम की जो रूपरेखा व कार्य योजना द्वारा कार्यक्रम चलाया जा रहा है. उसे हम हमारे यहां ही कम से कम सभी FIG तक ले जाया जाना चाहिए। महिलाओं द्वारा इस पर समूह में कई बार चर्चा भी की

Women Entrepreneurship Platform (WEP), (नीति आयोग नई दिल्ली) "आवार्ड टू रिवॉर्ड" (ATR) कार्यक्रम
सहयोग से - "मीरो लेब" मुम्बई
द्वारा : "सुधा संगिनी" परियोजना सतपुड़ा एकीकृत ग्रामीण विकास संस्था (सिरडी) सिरडी ग्राम तेमनी जिला- बैतूल (M.P.)
25 मार्च 2025 कार्य में समूह चर्चा

क्र.	प्रश्न	उत्तर- ग्रुप नंबर 1.	उत्तर- ग्रुप नंबर 2.	उत्तर- ग्रुप नंबर 3.	उत्तर- ग्रुप नंबर 4.	उत्तर- ग्रुप नंबर 5.	उत्तर- ग्रुप नंबर 6.	उत्तर- ग्रुप नंबर 7.
1	1 अप्रेल से 31 मार्च 2026 तक खेती में क्या-क्या और नये काम हम कर सकते हैंउनका लक्ष्य क्या रहेगा ?	मिटटी परीक्षण, CPP कुण्ड, तरल खाद, कम्पोस्ट बेड उत्पादन अधिक हो लागत कम लगे	जैविक खेती के लिये जो-जो गतिविधि करवायेंगे करेंगे उत्पादन बढ़ायेंगे मिटटी की शक्ति को जीवित रखेंगे	जैविक खेती से उत्पादन अधिक होना चाहिये उदा. 1 एकड़ में 15 बोरे हुये आने वाले साल में 21 बोरे का उत्पादन देखना चाहेंगे	CPP कुण्ड, तरल खाद, कम्पोस्ट बेड गतिविधि से जुड़ना चाहते हैं व तकनीकि उपकरणों से भी जुड़ना चाहते हैं	जैविक खेती के लिये जो-जो गतिविधि करवायी जा रही है उन सभी से जुड़ना चाहेंगे हमें 5 तकनीकों की जानकारी के बारे में बताया गया हम उन सभी से जुड़ना चाह रहें हैं.	जैविक खेती करने के लिये पहले जैविक गतिविधियों से जुड़ना चाहेंगे और आने वाले समय में अधिक से अधिक उत्पादन लेना चाहेंगे	एक एकड़ में 13 बोरे हुये हमारा लक्ष्य अगले साल का हैं 1 एकड़ में 20 बोरे निकालने का हम जैविक से जुड़कर कम लागत अधिक मुनाफा का फायदा लेना चाहते हैं
2	आप किन-किन तकनीकों से स्वयं जुड़ना चाहती हैं ?	1. मिटटी परीक्षण 2. मोबाईल एप 3. सेंसर 4. ड्रोन 5. मोसम की जानकारी	तकनीकी जानकारी से जुड़ना चाहेंगे	1. मिटटी परीक्षण 2. सेंसर 3. मीरो लब एप 4. ड्रोन	मोबाईल एप में अधिक से अधिक महिलाओं का रजिस्ट्रेशन करके जोड़ेंगे अपना खेत अपने मोबाईल एप पर देखेंगे मृदा नमी सेंसर से पानी कितना लेना	पाँचों तकनीकि उपकरणों से जुड़ना चाहते हैं	पाँचों तकनीकि से जुड़ना चाहेंगे व सीखना चाहेंगे	1. मिटटी परीक्षण करवायेंगे 2. सेंसर लगाना चाहते हैं 3. मोबाईल एप का लाभ लेना चाहते हैं
3	क्या आप और महिला किसानों को इससे जोड़ना चाहेंगी ?	हाँ जोड़ना चाहेंगे	सभी किसान महिलाओं को जोड़ेंगे	हाँ सभी दीदियों को जोड़ेंगे	हम कम से कम 5 महिलाओं को जोड़ेंगे	हाँ इस तकनीकि से सभी महिलाओं को जोड़ना चाहेंगे	हाँ हम कम से कम 500 दीदियों को जोड़ना चाहेंगे	सीपीपी कुण्ड, तरल खाद, कम्पोस्ट बेड के लिये हमारे वार्ड से 5 दीदियाँ जुड़ी हैं हमारा काम देखकर और दीदियाँ जुड़ना चाह रही हैं
4	आपको मीरो लेब द्वारा 5 तकनीकों के बारे में बताया गया हैं वें कोन-कोन सी हैं ?	1. मिटटी परीक्षण लेब 2. मृदा नमी सेंसर 3. ड्रोन 4. मोबाईल 5. मोसम की जानकारी	मीरो लेब की सभी तकनीकों जैंसे मोसम एप, मृदा नमी सेंसर, ड्रोन इन सभी से जुड़ना चाहेंगे	1. सेंसर 2. मिटटी परीक्षण 3. मोबाईल एप 4. ड्रोन	1. सेंसर 2. मिटटी परीक्षण 3. मोबाईल एप 4. ड्रोन	1.सेंसर, 2. मोबाईल एप, 3. मिटटी परीक्षण, 4. ड्रोन	1. सेंसर, 2. मोबाईल एप, 3. मिटटी परीक्षण, 4. ड्रोन	सेंसर लगाकर पानी की बचत करना, मोबाईल एप में जानकारी भरना इन सभी तकनीकि से जुड़ना चाहते हैं
5	इनमें से आप किस तकनीक से जुड़ना चाहती हैं ?	मोसम एप, मृदा नमी सेंसर, ड्रोन इन सभी से जुड़ना चाहेंगे	1. सेंसर 2. मिटटी परीक्षण 3. मोबाईल एप 4. ड्रोन	मोसम एप, सेंसर, ड्रोन, मिटटी परीक्षण लेब इन सभी से जुड़ना चाहेंगे	मोसम एप, मृदा नमी सेंसर, ड्रोन	मोसम एप, मृदा नमी सेंसर, ड्रोन इन सभी से जुड़ना चाहेंगे	मोसम एप, मृदा नमी सेंसर, ड्रोन इन सभी से जुड़ना चाहेंगे	मीरो लेब की सभी तकनीकि से जुड़ना चाहेंगे

“सुधा संगिनी” परियोजना

सतपुड़ा एकीकृत ग्रामीण विकास संस्था (सिरडी), टेमनी, जिला-बैतूल

Women **Entrepreneurship** ***Platform*** **(WEP), Award to reward (Niti aayog New Delhi)**

तकनीकि सहयोग – “मीरो लेब” मुम्बई

दिनांक 25.03.2025, सुबह 11 से 5 बजे तक

WFIG व SIRDI के सभी कार्यकर्ताओं के आगमन एवं पंजीयन के बाद जैसे-जैसे समूह में महिलायें आ रही थी उन्हें परिसर भ्रमण के बाद बैठक कक्ष में LCD द्वारा मीरी लेब में जिन किसानों का रजिस्ट्रेशन किया गया व उसके बाद उनके फार्म ब्लॉक किये वह ऑनलाइन कैसे दिखाई देता है क्या-क्या जानकारी उससे हमें मिल सकती है व भविष्य में यह किस तरह से उपयोगी हो सकते हैं. बताया गया हम एप में खेत कितना है, क्या फसल लगाई है, खेत की नमी, मौसम की जानकारी, मंडी भाव, मिट्टी परीक्षण की जानकारी, समस्या पर सुझाव आदि घर बैठे ही जान सकते हैं।

GPS Map Camera
भिवापुर, मध्य प्रदेश, भारत
नाम-रहित सड़क, भिवापुर, मध्य प्रदेश 460110, भारत
Lat 21.558913° Long 77.856202°
02/07/2025 06:21 PM GMT +05:30
Google

मृदा परीक्षण
प्रयोग शाला

GPS Map Camera
Temni, Madhya Pradesh, India
Gq9m+jrf, Temni, Madhya Pradesh 460220, India
Lat 21.519532° Long 77.784364°

कार्यक्रम निम्नानुसार तय किया गया था

क्र	दिनांक	समय	सत्र	विषय वस्तु	वक्ता/फेसीलिटीटेटर
1.	25.03.25 टेमनी परिसर	10:00 से 11:00 11:30 से 12:30	प्रथम सत्र	- महिलाओं का आगमन एवं पंजीयन - कार्यक्रम की शुरुआत,अतिथियों का स्वागत एवं उनका परिचय - कार्यक्रम का परिचय - महिला किसान रूचि समूह व उनका तकनीकि रूप से सक्षमीकरण - मीरो लेब एप पर जानकारी महिलाओं के साथ साझा करना	संस्था कार्यकर्ताओं द्वारा डॉ.उपमा दीवान श्री धीरज मीरो लेब मुंबई
		12:30 से 01:30 तक	द्वितीय सत्र	- मीरो लेब के सहयोग से दिसम्बर से मार्च तक की गई तकनीकि गतिविधियाँ	डॉ.उपमा दीवान
		01:30 से 2:30 तक	तृतीय सत्र	- अगले एक वर्ष की प्लानिंग की रूपरेखा पर, भूमिका पर चर्चा	श्रीमती सुनीति गुप्ता डॉ. उपमा दीवान
		2:30 से 3:30	चतुर्थ सत्र	- सभी प्रतिभागियों द्वारा 10,10 के समूह में चर्चा करना व अगले एक वर्ष के कार्यक्रम की रूपरेखा बनाना	सभी
		3:30 से 4:00		- समूह सर्चा प्रस्तुतिकरण	समूहों द्वारा
		4:00 से 4:30	पांचवा अंतिम सत्र	- महिला किसानों से खुली चर्चा सत्र - एक्शन प्लान की प्रस्तुती - अवार्ड से रिवार्ड कार्यक्रम के पुरुष्कार वितरण - धन्यवाद	सभी उपस्थिति

संस्था के तरफ से पिछले दिसंबर 2023 से अभी तक की क्या-क्या विशेष उपलब्धियों पर चर्चा की गई पिछले वर्ष जनवरी 2024 में योगेश येंडले जी ने मीरो लेब की सुनीता जी से हमारी मीटिंग कार्रवाई उसके बाद हमने अप्रैल 2024 में 4 सेंसर सुधा संगिनी परियोजना के अंतर्गत 4 किसानों के यहां इंस्टॉल करवायें व उसके बाद लगातार इनके संपर्क में तकनीकि विषयों पर चर्चा होती रही. 6 माह पहले हमने 15 गांव की 500 WFIG महिलाओं को लेकर नीति आयोग के लिये इस परियोजना की परिकल्पना की व 17.12.2024 को इसपर एक चर्चा सत्र का आयोजन श्री योगेश येंडले जी, श्रीमती सुनीति गुप्ता, श्री यंग मशरूम फार्म के साथ टेमनी में बड़े कार्यक्रम में सभी महिलाओं की उपस्थिति में बातचीत की इस कार्यक्रम में मिट्टी परीक्षण लेब, मीरो किसान एप, मशरूम व अन्य तकनीकि पर काम करने का तय किया 500 WFIG का बेस लाइन सर्वे किया व मीरो लेब की 5 तकनीकों पर पहले कार्यकर्ताओं को क्षमता बढ़ाई व अब महिलाओं के साथ काम कर रहे हैं।

इसी दौरान नई दिल्ली में 20.03.2025 को नई दिल्ली में नीति आयोग की तरफ से 6 चुनी हुई महिला किसान को उनकी उपलब्धि के लिये पुरस्कृत किया गया व वहां कार्यक्रम में भाग लिया जिन महिलाओं को पुरस्कृत किया गया उनके नाम निम्नानुसार है - दिल्ली कार्यक्रम में इन्हें मीरो लेब के साथ मंच साझा करने का अवसर मिले व 25 को इन्हें नगद राशि व प्रमाण पत्र मीरो लेब की तरफ से प्रदान किये गये.

क्र.	पुरस्कृत महिला किसान का नाम	राशि	ग्राम	ग्राम पंचायत	विशेष उपलब्धियां जिसके कारण उन्हें सम्मान मिला
1	श्रीमती ललिता सरियाम	11000	भिवापुर	कोयलारी	जैविक खेती तकनीकि व अच्छे से उपयोग के लिये
2	श्रीमती रेखा सिरसाम	7000	बोरपानी	बोरपानी	जैविक तकनीकों का उपयोग मिश्रित जैविक
3	श्रीमती देवकी उइके	5000	जुनापानी	बोरपानी	जैविक खेती बीज संरक्षण व मिश्रित खेती
4	श्रीमती कोशल्या डडोरे	3000	पुसली	पुसली	बीजों का पारम्परिक तरीके से संरक्षण
5	श्रीमती अनिता लहरपुरे	3000	बोथी	बोथी	CPP कुण्ड बनाकर उसे बेचकर अतिरिक्त आय अर्जित करना
6	श्रीमती आशा धोटे	3000	धनोरा	धनोरा	गाय पालन एवं जैविक खेती उत्पादन

यें पुरुष्कृत राशि व प्रमाण पत्र मीरो लेब की श्रीमती सुनीति गुप्ता द्वारा आज के कार्यक्रम में प्रदान किये गये. संस्था की कार्यक्रम श्रीमती कलावन्ती को मीरो लेब एप को सही शीघ्र व ज्यादा किसानों को जोड़ने के लिये भी पुरष्कृत किया गया.

उपरोक्त सभी महिलाओं ने अपनी सफलता के व दिल्ली के अनुभव सभी महिलाओं के साथ साझा किये. जिससे वहाँ उपस्थित सभी महिलाओं का उत्साह वर्धन हुआ इस कार्यक्रम में निम्नानुसार महिलाओं ने भी अपने पिछले परम्परागत व जैविक खेती के अनुभव साझा किये जो बहुत ही आश्चर्य चकित करने वाले रहे –

कार्यक्रम में श्रीमती सुनीति गुप्ता ने कहाँ कि पिछले तीन माह में आपने मीरो एप पर बहुत ही अच्छा काम किया है आप सभी बहुत मेहनत व लगन से काम कर रही हैं. हमें आगे भी तकनीकि रूप से सक्षम होना हैं व पारम्परिक व जैविक खेती पर अधिक कार्य करना हैं. मीरो लेब की पाँचों तकनीक मीरो एप, मिटटी परीक्षण, स्वाइल माइशचर सेंसर, द्रोण द्वारा छिड़काव (तरल खाद) मोसम व बाजार भाव की जानकारी पर कार्य करेंगे. हम एप में यह भी बता पायेंगे कि किसने कब CPP कुण्ड बनाया कब उपयोग किया कब कम्पोस्ट बनाये व तरल खाद का उपयोग किया यह भी मॉनीटर कर सकेंगे. समस्या का समाधान की एप के माध्यम से कर सकेंगे. भविष्य के कार्यक्रमों पर दिशा निर्देश महिलाओं को दिये गये व इन दिशा निर्देशों पर 5 प्रश्न उन्हें दिये गये जिनपर समूह चर्चा करनी थी ये पांच प्रश्न निम्नानुसार थे.

- आप किन तकनीकों से स्वयं जुड़ना चाहती हैं.
- क्या और महिला किसानों को इससे जोड़ना चाहेंगे.
- आपको मीरो लेब द्वारा 5 तकनीकों के बारे में बताया गया हैं वें कोन-कोन-सी है व इनमें से आप किससे जुड़ना

  चाहते हैं.
- इनमें से आप किस तकनीक से जुड़ना चाहती हैं ?

  जिसपर 7 समूह में बराबर महिलाओं को समूहों में चर्चा करवायी गयी व उसका प्रस्तुतिकरण करवाया गया.

  जिसकी रिपोर्ट नीचे संलग्न हैं.निष्कर्ष के रूप में 3 प्रमुख कार्यों पर निर्णय हुये की अगले तीन माह में हम
- 500 से 1000 महिलाओं को तकनीकि रूप से मीरो एप से जुड़ेंगे.
- सभी WFIG अपने खेत की मिटटी का परीक्षण करवायेंगे.
- संभव हुआ तो द्रोण का उपयोग तरल खाद के छिड़काव हेतू करेंगे.

मृदा परीक्षण
प्रयोग शाला

किसान एक उद्यमी के रूप में इसके लिये इस वर्ष दो प्रमुख कार्यक्रम की शुरुआत की गई जिनमें मशरूम उत्पादन यह कार्यक्रम बोथी व ग्राम सावंगी में 15, 15 महिलाओं के साथ फरवरी माह में शुरू किया गया था इस कार्यक्रम को हमने बहुत ही न्यूनतम लागत से स्थानीय संसाधनों से शुरू किया था. तब से निरंतर यह कार्यक्रम निरंतर चल रहा है. न्यूनतम खर्च व थोड़ी मेहनत 4 व 5 बैग आयशर मशरूम के बैग द्वारा घर में उपयोग करने के बाद प्रति माह 800 से 1200 प्रति माह अतिरिक्त आमदनी प्राप्त कर पा रही है। प्रथम फेस की सफलता के बाद हम इसे 500 महिलाओं के साथ शुरू करने की तैयारी कर रहे हैं ।

सेवईयां उत्पादन की इकाई :- ग्राम सावंगी में "साथीन फेडरेशन" के साथ मिलकर समूह की महिला द्वारा सेवइयां उत्पादन इकाई की शुरुआत की गई यह इकाई मार्च में स्थापित की गई थी 3 माह के सीजन में बहुत अच्छा रिस्पांस यहां मिला। गृह उद्योग के रूप में यह इकाई बहुत सफल रही सीजन में 20,000 तक अतिरिक्त आय इससे प्राप्त की जा सकती है।

किशोरी बालिकाओं में कौशल विकास :- ग्रीष्म अवकाश में टेमनी परिसर में 10-10 किशोरी बालिकाओं को 2 माह तक सिलाई प्रशिक्षण एवं कंप्यूटर साक्षरता प्रशिक्षण दिया गया।

अन्य कार्यक्रम :- डॉ शर्मा साहब के जन्मोत्सव पर किशोरी बालिकाओं के लिये 3 दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया व्यक्तिगत स्वच्छता, सवास्थ्य पोषण पर एकीकृत कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 65 बालिकाओं ने भाग लिया।

मोबाईल बाल पुस्तकालय :- पिछले वर्ष शुरू किये गये मोबाइल बाल पुस्तकालय की सफलता को देखते हुये इस बार 5 और नये मोबाइल पुस्तकालय की शुरुआत की गई। इसमें किरण फाऊंडेशन व अन्य दानदाताओं ने सहयोग किया।

मध्यप्रदेश वेलेंट्री हेल्थ एसोसिएशन एवं मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा मध्यप्रदेश को नशा मुक्त बैतूल जिले में MPVHA की सहयोग से संस्था सतपुड़ा एकीकृत ग्रामीण विकास संस्था (SIRDI) द्वारा बैतूल के 3 विकासखंड आठनेर, भैंसदेही, प्रभात-पट्टन के सुदूर आदिवासी क्षेत्र के चार हायर सेकेंडरी स्कूल में चलाया गया

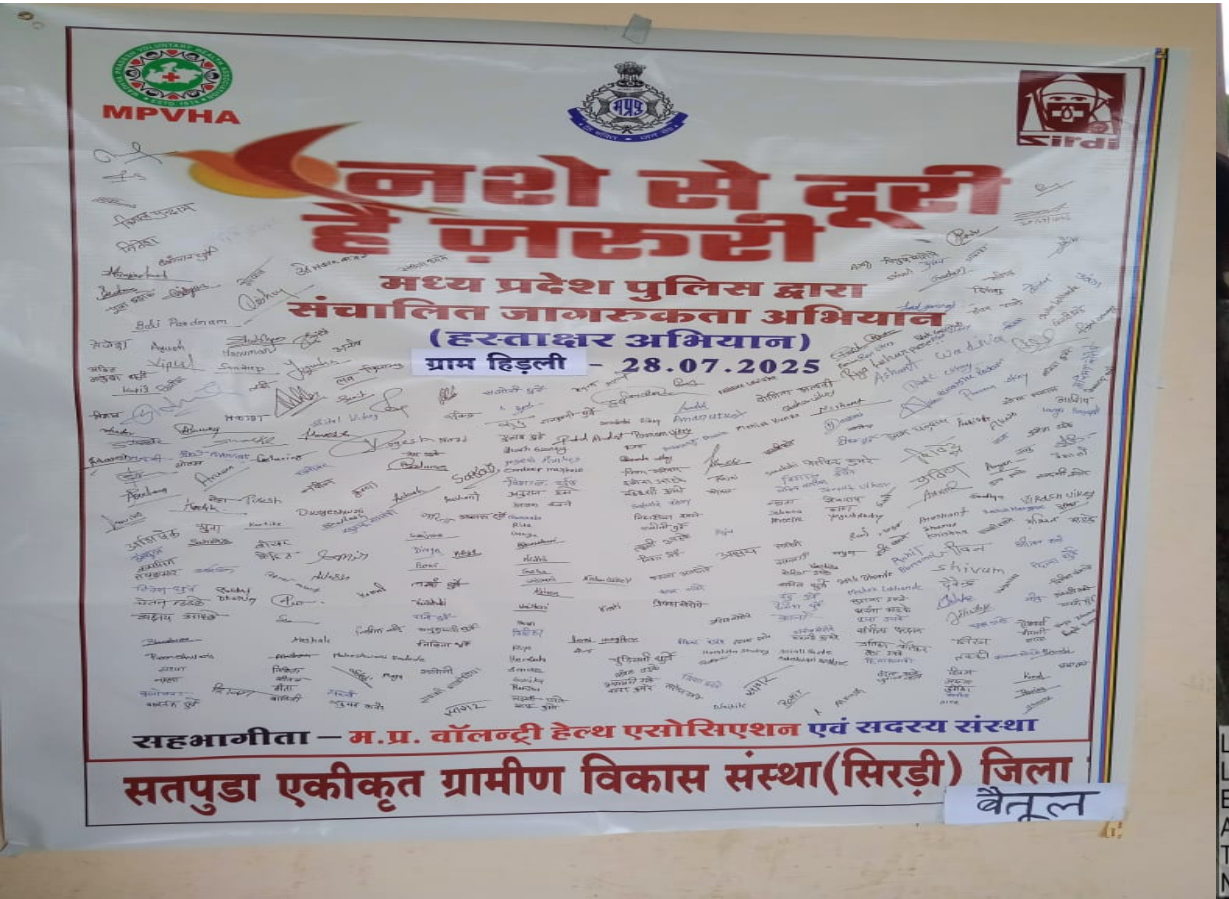

हाई स्कूल टेमनी- “नशे से दूरी, हैं जरुरी” हस्ताक्षर जागरूकता अभियान

गो- दान हमारे जैविक व पारंपरिक अभियान में गाय एक प्रमुख भूमिका में है। कुछ छोटे किसान है जिनके पास गाय नहीं थी हमने प्रयास करके किरण फाउंडेशन नई दिल्ली से 7 व जयसवाल परिवार सावलमेंढा की तरफ से 3 गाय व 2 बैल दान स्वरूप दिये गये।

“मानवता की समृद्धि में जहाँ से जो योगदान मिले
हम सबका स्वागत करेंगे”

महात्मा गाँधी

अंत में धन्यवाद सहित!